जहाँगीर की धार्मिक नीति

- 39th lecture by
Mamta Rani
(History Depart.)
SNSRKS college, SAHARSA

Scanned with CamScanner

जहाँगीर की धार्मिक नीति

- 39th lecture

→ जहांगीर धार्मिक दृष्टि से असहिष्णु नहीं था। उसने 1612 ई० में पहली बार रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया और अपनी कलाई पर राखी बंधवायी। जहाँगीर ने दीवाली के दिन जुआ खेलने की इजाजत दे रखी थी।

→ जहांगीर भी अकबर की तरह ब्राह्मणों और मंदिरों को प्रभूत दान देता था। जिसकी पुष्टि वृन्दावन के चैतन्य सम्प्रदाय के मंदिरों में उपलब्ध प्रलेखों से होती है। इसके अलावा उसने अकबर द्वारा जारी गो-हत्या निषेध की परम्परा को जारी रखा। जहांगीर ने श्रीकांत नामक एक हिन्दू को हिन्दुओं का जज नियुक्त किया ताकि वे सहूलियत महसूस कर सके और उन्हें किसी मुसलमान की कृपा दृष्टि का मोहताज न होना पड़े।

→ जहांगीर ने एक नयी प्रथा चलायी जिसके अनुसार पुरुषों का कान छिदवाकर मूल्यवान रत्न पहनना फैशन बन गया। जहाँगीर ने सूरदास को आश्रय दिया था। और उसी के संरक्षण में सूरसागर की रचना हुई।

→ किन्तु कुछ घटनाओं से यह साबित होता है कि जहाँगीर ने कभी-कभी इस्लाम का पक्ष लिया था जैसे

(a) राजौरी के हिन्दुओं को दण्ड दिया; क्योंकि वे मुस्लिम लड़कियों से विवाह कर उन्हें हिन्दू बना लेते थे।

(b) कांगड़ा के किले को जीतने के बाद वहां उसने एक गाय कटवाकर जश्न मनाया।

(c) अजमेर स्थित वराह मंदिर की मूर्तियों को उसने एक तालाब में फिकवा दिया था।

Scanned with CamScanner

(d) पुर्तगालियों से युद्ध के समय उसने राज्य के सभी गिरजाघरों को बंद करवा दिया था।

(e) एक अवसर पर उसने जैनियों से अप्रसन्न होकर उन्हें गुजरात से बाहर चले जाने का आदेश दे दिया था।

→ जहांगीर ने हिजड़ों के व्यापार पर रोक लगाने का प्रयास किया। अफगान सर्वप्रथम जहांगीर के काल में ही मुगलों के मित्र हुए और अब उन्हें भी मनसबदारों की श्रेणी में शामिल किया जाने लगा। इसके अतिरिक्त भारतीय मुसलमान जिन्हें शेखजादा भी कहा जाता था को भी मनसबदारों का पद मिलने लगा। जहांगीर ने सर्वप्रथम मराठों के महत्व को समझा और उन्हें मुगल अमीर वर्ग में शामिल किया।

→ जहांगीर ने अपनी प्रेयसी अनारकली के लिए 1615 ई० में लाहौर में एक सुन्दर कब्र बनवायी और जिस पर यह प्रेमपूर्ण अभिलेख लिखवाया कि यदि मैं अपनी प्रेयसी का चेहरा एक बार पुनः देख पाता, तो कयामत के दिन तक अल्लाह को धन्यवाद दिया करता।

→ जहांगीर के शासनकाल में हॉकिन्स (1608 से 1611 ई०) कम्पनी का प्रतिनिधि और सर टामस रो (1615-19) ई० में सम्राट जेम्स का दूत आया था। जहांगीर ने हॉकिन्स को 400 का मनसब दिया था।

—x—

Scanned with CamScanner